उत्तराखण्ड मुक्त विष्वविद्यालय, हल्द्वानी
महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ: सितम्बर, 2018

माननीय उच्च षिक्षा मंत्री द्वारा उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कैम्प कार्यालय, देहरादून का भ्रमण

माननीय उच्च षिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत जी का स्वागत करते हुए

माननीय उच्च शिक्षा मंत्री डा0 धन सिंह रावत जी द्वारा दिनांक 11 सितम्बर 2018 को विश्वविद्यालय के परिसर देहरादून में एक बैठक ली गयी। जिस अवसर पर माननीय उच्च शिक्षा मंत्री को विश्वविद्यालय द्वारा दूरस्थ एवं उच्च शिक्षा के प्रचार – प्रसार में किये जा रहे प्रयासों तथा विभिन्न क्रियाकलापों से अवगत कराया गया। माननीय उच्च शिक्षा मंत्री जी द्वारा परिसर देहरादून को विस्तृत रुप देने एवं छात्र हित में गढ़वाल मण्डल के छात्रों की पुस्तकों एवं प्रोविजनल डिग्री आदि का वितरण परिसर देहरादून से ही करने की व्यवस्था की सलाह दी गयी।

दिव्यांगों के शिक्षा संवर्द्धन हेतु शिक्षकों का प्रशिक्षण

केन्द्रीय सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार एवं भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के द्वारा ऊधमसिंह नगर जिले के काशीपुर ब्लाक के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत लगभग 50 शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को विभिन्न विकलांगताओं यथा मानसिक मंदता, नेत्रहीनता, मूक-बधिर एवं पढने में अक्षमता से ग्रसित बच्चों हेतु विशिष्ट शिक्षा के प्रति एवं निशक्तजनों के पुनर्वास एवं रोजगार सम्बन्धी प्रावधानों व केन्द्र-राज्य सरकारों द्वारा किये जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी के प्रति जागरूक करने हेतु एक कार्यशाला का आयोजन ब्लाक संसाधन केन्द्र, काशीपुर में दिनाँक 18-20 सितम्बर 2018 को आयोजित की गयी|

कार्यशाला का उद्घाटन श्री प्रमोद तोमर जी, एम.डी., पी.सी.आर. कंपनी,काशीपुर एवं श्री नेतराम, प्रभारी खंड शिक्षा अधिकारी, काशीपुर और श्रीमती निशा सिंह, प्रबंधक, विवेकानंद विद्यामंदिर इंटर कॉलेज,काशीपुर द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया |

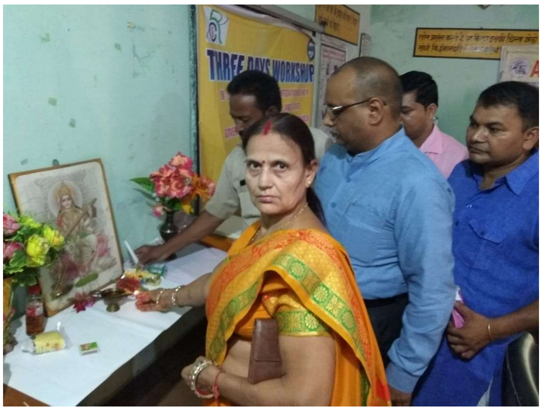

(कार्यशाला का उद्घाटन श्री प्रमोद तोमर जी तथा श्रीमती निशा सिंह, प्रबंधक, विवेकानंद विद्यामंदिर इंटर कॉलेज,काशीपुर व अन्य)

उद्घाटन सत्र में अपने संबोधन में श्री प्रमोद तोमर ने कार्यशाला में आये प्रतिभागी शिक्षकों से अपने जीवन में अनुशासन व संयम के साथ दिव्यांग बच्चों के शिक्षण-प्रशिक्षण को गंभीरता के साथ लेना चाहिये और इस प्रकार की कार्यशाला के माध्यम से अपने शिक्षण की तकनीकी कों और मजबूत करना चाहिये| श्री नेतराम, प्रभारी खंड शिक्षा अधिकारी ने अपने संबोधन में दिव्यांगों की शिक्षा को शिक्षक समाज के लिए जिम्मेदारी भरा कार्य बताया और अपेक्षा की कि वे कार्यशाला से प्राप्त प्रशिक्षण तकनीकियों का अपने विद्यालयों में अच्छा उपयोग कर सकेंगे| श्रीमती निशा सिंह, द्वारा अपने संबोधन में दिव्यांगजनों को शिक्षा के साथ साथ दैनिक जीवन एवं रोजगार से सम्बंधित कौशलों का प्रशिक्षण देना चाहिये|

कार्यशाला के तकनीकी सत्रों में अनमोल फाउंडेशन की श्रीमती मीनाक्षी चौहान ने प्रतिभागियों को विकलांगता को परिभाषित करते हुए इसके प्रकारों एवं विकलांगता के प्रति बनी अवधारणाओं कों स्पष्ट किया| और भारतीय पुनर्वास परिषद् एक्ट १९९२ के बारे में विस्तार से बताया साथ ही नवीन दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम जों कि 2018 में लागू किया गया उसमें सम्मिलित नवीन विभिन्न दिव्यन्ताओं की श्रेणी के विषय में बताया|

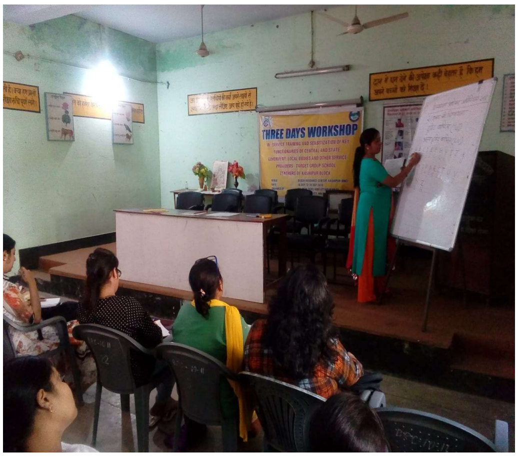

(कार्यशाला में प्रतिभाग करते प्रतिभागी)

दिनाँक 19 सितम्बर 2018 को कार्यशाला के दूसरे दिवस के सत्रों में विषय विशेषज्ञ डॉ राकेश शर्मा द्वारा विकलांगता के हस्तक्षेपन में कार्य करने वाले विशेषज्ञों की भूमिका और उत्तरदायित्वों के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की साथ ही दिव्यांग बच्चों और व्यक्तियों के लिए बनाये जाने वाले प्रमाण पत्रों की प्रक्रिया कों बताया| विषय विशेषज्ञ सतीश चौहान ने प्रतिभागियों को विकलांगता के कारण बच्चों में होने वाली मानसिक बीमारी, उसका मनोसामाजिक प्रभाव के विषय में बताया, मानसिक रूप से मंद बच्चों के लिए व्यक्तिगत शैक्षिक कार्यक्रम कैसे बनाये जाये इसके विषय में प्रशिक्षण दिया| नेत्रहीन बच्चों के लिए ब्रेल लिपि के विषय में बताया| श्रीमती मीनाक्षी चौहान द्वारा द्वारा मूक बधिर व्यक्ति और बच्चों को Sign language (प्रतीकों के माध्यम अथवा इशारों द्वारा भाषा की अभिव्यक्ति) से अध्यापन की विधि बताई और कार्यशाला के प्रतिभागियों को उनका अभ्यास करवाया|

कार्यशाला के तृतीय दिवस दिनाँक 20 सितम्बर, 2018 के तकनीकी सत्रों में डॉ राकेश शर्मा विषय विशेषज्ञ ने बाधा रहित वातावरण, समावेशन के विषय पर जानकारी दी और विकलांगता का परिवार पर पड़ने वाले प्रभाव को बताया| साथ ही विकलांग बच्चों के चिन्हीकरण, शैक्षिक पुनर्वास एवं उपचारार्थ हेतु शीघ्र हस्तक्षेपन केन्द्र (Early Intervention Centre) के विषय में बताया|

(कार्यशाला से संबंधित संक्षिप्त रिपोर्ट संलग्न है। संलग्नक-क)

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह

विश्वविद्यालय द्वारा विगत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी गृह विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 1 से 7 सितम्बर, 2018 तक "राष्ट्रीय पोषण सप्ताह" मनाया गया। स्वास्थ्य की सुरक्षा तथा अच्छी सेहत को बढ़ावा देने में उचित पोषण के महत्व तथा संतुलित आहार के बारे में जन जागरूकता पैदा करने के लिए

प्रति वर्ष 1 सितंबर से 7 सितंबर के मध्य खाद्य और पोषण बोर्ड, महिला और बाल विकास मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया जाता है। प्रत्येक वर्ष इसे एक विशिष्ट विषय को ध्यान में रखकर मनाया जाता है और इस वर्ष राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का विषय था; "बच्चे के प्रथम 1000 दिनों के दौरान अल्प-पोषण को संबोधित करने हेतु केंद्रित हस्तक्षेप सुनिश्चित करना: बेहतर बाल स्वास्थ्य"/"Ensuring focused interventions on addressing under-nutrition during the first 1000 days of the Child: Better Child Health".

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए हुए गाँव मानपुर पश्चिम में कार्यक्रम

इसी क्रम में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया गया जिसमें विभाग द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के रेडियो चैनल "हैलो हल्द्वानी" के माध्यम से विभाग द्वारा रिकॉर्ड किए गए खाद्य एवं पोषण पर व्याख्यान तथा चर्चाओं को प्रसारित किया गया। इन चर्चाओं का केंद्र मूलत: बाल आहार तथा पोषण एवं शिशु के पूरक आहार का महत्व तथा आवश्यकता पर था। साथ ही सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न पोषण कार्यक्रमों की भी जानकारी रेडियो कार्यक्रमों के माध्यम से दी गई।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए हुए गाँव मानपुर पश्चिम में कार्यक्रम

विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए हुए गाँव मानपुर पश्चिम में वहाँ की ग्राम प्रधान श्रीमती भागीरथी देवी के सहयोग से पोषण जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। गृह विज्ञान विभाग के शिक्षकों डॉ0 प्रीति बोरा तथा श्रीमती मोनिका द्विवेदी द्वारा गाँव के आंगनबाड़ी केंद्र पर जाकर वहाँ पर आए लाभार्थियों जिसमें गर्भवती एवं धात्री महिलाएं, किशोरियाँ तथा बच्चे सम्मिलित थे तथा कार्यकर्ताओं से मिलकर उन्हें पोषण सम्बंधी जानकारी दी गई। साथ ही गृह विज्ञान विभाग द्वारा निर्मित पोषण सम्बंधी बुकलेटों; आहार एवं पोषण, नवजात शिशु में पीलिया के कारण तथा निवारण, शिशु का टीकाकरण तथा सरकार की महिला सशक्तिकरण सम्बंधी योजनाएं, का वितरण किया गया।

इस शिविर में गाँव की महिलाओं को संतुलित पोषण एवं आहार के महत्व की जानकारी दी गई। साथ ही उनकी आहार एवं पोषण सम्बंधी समस्याओं का भी निदान किया गया। विशेषकर बच्चों के आहार एवं पूरक पोषण पर बल दिया गया। शिक्षा विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ0 ममता कुमारी द्वारा ग्रामीणों को शिक्षा विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी भी दी गई।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के अवसर पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

दिनांक 6 सितंबर को गृह विज्ञान विभाग द्वारा चार्ट/पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का विषय था "बच्चों की स्वस्थ भोजन थाली"। चार्ट/पोस्टर प्रतियोगिता में कुल 10 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। छात्रों के साथ विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने भी इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के अवसर पर आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोज

दिनांक 7 सितंबर को विभाग द्वारा आहार एवं पोषण क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय था; "भोजन एवं हमारा स्वास्थ्य"। पोषण क्विज प्रतियोगिता में कुल 14 प्रतिभागी थे जो 2-2 प्रतिभागियों के सात वर्गों में विभाजित थे। इस प्रतियोगिता में सभी वर्गों से आहार एवं पोषण से सम्बंधित सामान्य प्रश्न पूछे गए। क्विज प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के छात्रों तथा शिक्षकों ने संयुक्त रूप से प्रतिभाग किया।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के अवसर पर प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण

दोनों ही प्रतियोगिताओं के निर्णायक मण्डल में डॉ0 राजेंद्र कैड़ा (अकादमिक परामर्शदाता, हिंदी) थे। माननीय कुलसचिव एवं निदेशक स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा प्रोफेसर आर0 सी0 मिश्र द्वारा पुरस्कार अर्जित करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया तथा प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

परीक्षा

विश्वविद्यालय की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा जून-2018 के समस्त परीक्षा परिणाम दिनांक 31 अगस्त, 2018 तक घोषित किये जाने के पश्चात् अगामी परीक्षा (प्रस्तावित माह दिसम्बर-2018) हेतु बैक परीक्षा/सुधार परीक्षा हेतु ऑफलाइन/ऑनलाइन प्रक्रिया दिनांक 11/09/2018 से प्रारंभ कर दी गई है।

सितम्बर माह में ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आवेदित 213 मूल उपाधियॉ, 113 अन्तरिम उपाधि/अनापत्ति प्रमाण पत्र वाहक/डाक से प्रेषित की गई।

प्रवेश

दिनांक 1 जून, 2018 से ग्रीष्मकालीन सत्र 2018 के द्वितीय व तृतीय वर्ष के पाठ्यक्रमों के प्रवेश प्रारम्भ किये गये। UGC, DEB द्वारा आकादमिक सत्र 2018-19 के लिए 05 पाठ्यक्रमों के लिए मान्यता प्रदान की गई है जिनमें प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ करने के उपरांत दिनांक 30 सितंबर, 2018 तक 31,971 विद्यार्थियों द्वारा प्रवेश लिया गया है।

UGC, DEB द्वारा आकादमिक सत्र 2018-19 के लिए 05 पाठ्यक्रमों के लिए मान्यता प्रदान की गई है जिनमें प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। शेष पाठ्यक्रमों की मान्यता हेतु विश्वविद्यालय द्वारा प्रत्यावेदन UGC, DEB नई दिल्ली को प्रेषित कर दिया गया है। इस प्रत्यावेदन में विश्वविद्यालय द्वारा UGC, DEB से विभिन्न पाठ्यक्रमों के सम्बन्ध में उल्लिखित कमियों को दूर करने के सम्बन्ध में अवगत कराया गया है। प्रत्यावेदन के सम्बन्ध में प्रस्तुतीकरण दिनांक 07 सितंबर, 2018 को किया गया।

हैलो हल्द्वानी से सितम्बर माह में प्रसारित कार्यक्रम

सिंतबर माह में हैलो हल्द्वानी से प्रसारित कार्यक्रम

1- प्रोग्राम-मुलाकात अतिथि- नीरजा टंडन(प्रोफेसर हिंदी कुमाऊं विवि नैनीताल), वार्ताकार- भूपेन सिंह, वार्ता का विषय- हिंदी भाषा व लिपि

2- प्रोग्राम-मुलाकात, अतिथि- पूजा पलड़िया पर्वतारोही),
वार्ताकार- भूपेन सिंह, वार्ता का विषय- पर्वतारोहण कितनी चुनौती

3- प्रोग्राम-मुलाकात, अतिथि- जन्मजेय तिवारी जिज्ञासू (स्टूडेंट लीडर), वार्ताकार- भूपेन सिंह, वार्ता का विषय- स्टूडेंट लीडरशिप की दिशा

4- प्रोग्राम-मुलाकात, अतिथि- मदन मोहन चमोली (सामाजिक कार्यकर्ता), वार्ताकार- भूपेन सिंह, वार्ता का विषय- हिंदी भाषा व लिपि

5- प्रोग्राम-मुलाकात, अतिथि- पुष्पा पानू व उषा पटवाल(सामाजिक कार्यकर्ता), वार्ताकार- सुनीता भास्कर, वार्ता का विषय- उत्तराखंड में महिला हिंसा

6- प्रोग्राम-हैल्दी हल्द्वानी, अतिथि- डॉ. प्रीती बोरा(आहार एवं पोषण विशेषज्ञ यूओयू) वार्ताकार- अनिल नैलवाल, वार्ता का विषय- पोषण सप्ताह 2018 की थीम

7- प्रोग्राम-हैल्दी हल्द्वानी, अतिथि- डॉ. प्रीती बोरा(आहार एवं पोषण विशेषज्ञ यूओयू) वार्ताकार- अनिल नैलवाल, वार्ता का विषय- शिशु आहार एवं पोषण

8- प्रोग्राम-मिसाल-बेमिसाल, अतिथि- अजय ओली(घनश्याम ओली चाइल्ड वैलफेयर सोसाइटी), वार्ताकार- अनिल नैलवाल, वार्ता का विषय- बाल श्रम और बाल मजदूरी.

9- प्रोग्राम-हैल्दी हल्द्वानी, आयुषी जैन(मिस उत्तराखण्ड),
वार्ताकार- अनिल नैलवाल, वार्ता का विषय- कैसे बनी मिस उत्तराखण्ड

10- प्रोग्राम-मिसाल-बेमिसाल, अतिथि- राजू की कहानी(साइकिल पर छोले, चावल, पराठे के विक्रेता), प्रस्तुतकर्ता- अनिल नैलवाल कहानी का विषय- बेरोजगारी के बीच स्वरोजगार की राह.

11- प्रोग्राम- खेती किसानी, अतिथि-मोहम्मद आरिफ, वार्ताकार- सुनीता भट्ट
वार्ता का विषय- खेती में पेस्टीसाइड का इस्तेमाल कितना जरूरी कितना घातक

12- प्रोग्राम- श्रद्यांजलि फीचर, शमशेर सिंह बिष्ट- उत्तराखंड मास लीडर, आंदोलनकारी

13- प्रोग्राम- देश विदेश की सैर, अतिथि- कपिल उप्रेती व दीपक बोरा
वार्ताकार- सुनीता भट्ट, वार्ता का विषय- चंपावत जिले में सड़कें, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य,पर्यटन. पलायन व दुग्ध की स्थिति।

14- प्रोग्राम- लोक रंग, अतिथि- धना पांडे, वार्ताकार- सुनीता भट्ट
वार्ता का विषय- पहाड़ के लोक गीत व उनके संदर्भ

15- प्रोग्राम- कविता संसार, अतिथि- प्रमोद पांडे (साहित्यकार व पत्रकार) वार्ताकार- सुनीता भट्ट, वार्ता का विषय- कवि चारु चंद्र चंदोला की कविताओं पर बातचीत।

16 प्रोग्राम- लोक रंग, अतिथि- प्रीतम भरतवाण (उत्तराखंडी जागर सम्राट)

वार्ताकार- प्रेम पंचोली, वार्ता का विषय- जागर में लोक का प्रतिबिंब

17- प्रोग्राम- मिसाल-बेमिसाल, अतिथि- सूरज पांडे

वार्ताकार- सुनीता भट्ट, वार्ता का विषय- संगीत व हारमोनियम से जुड़ाव कैसे

18- प्रोग्राम- मिसाल-बेमिसाल, अतिथि- मीरा सत्यवली(शिक्षिका व सामाजिक कार्यकर्ता),

वार्ताकार- डा. गोपाल दत्त

वार्ता का विषय- पहाड़ में शिक्षा में क्या चुनौतियां

19- बिडला स्कूल में रेडियो क्लब का कार्यक्रम हिंदी दिवस के अवसर पर।

20- प्रोग्राम- बच्चों की दुनिया, अतिथि- बच्चे

वार्ताकार- सुनीता भट्ट, वार्ता का विषय-स्वच्छता पर बातचीत

21- प्रोग्राम- मिसाल-बेमिसाल, अतिथि- प्रवीण कुमार भट्ट(प्रकाशक, संयोजक दून लिचरेचर फेस्ट),

वार्ताकार- सुनीता भट्ट

वार्ता का विषय-उत्तराखंड के मुद्दों पर बातचीत

22- हैलो हल्द्वानी रेडियो क्यों और किसके लिए

हल्द्वानी का एक परिचय।

23- प्रोग्राम- लोक रंग, अतिथि- हरीश पांडे, वार्ताकार- सुनीता भट्ट

वार्ता का विषय- कुमाऊं के लोग देवता और डंगरिया की जरूरत

24- प्रोग्राम- कविता संसार, अतिथि- डीडी जोशी

25- प्रोग्राम-कविता संसार, श्रद्यांजलि कवि कुंवर नारायण

26- प्रोग्राम- फिल्मी दुनिया, श्रद्यांजलि गीतकार शैलेन्द्र

27- प्रोग्राम- शिक्षा का पहिया, अतिथि- जीवन सिंह बोरा (शिक्षक , चंपावत), वार्ताकार- सुनीता भट्ट

वार्ता का विषय- चंपावत में शिक्षा की स्थिति

(हैलो हल्द्वानी से सम्बन्धित कार्यक्रमों की विस्तृत रिपोर्ट संलग्न है। संलग्नक- ख)

शिक्षक दिवस

प्रत्येक वर्ष की भॉति इस वर्ष भी 05 सितम्बर 2018 को विश्वविद्यालय सभागार में 'शिक्षक दिवस समारोह' का अयोजन किया गया। इस इवसर पर वरिष्ठ शिक्षका डॉ0 नीरजा टण्डन, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल में विशिष्ट शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया।

शिक्षक दिवस के अवसर पर अपने विचार व्यक्त करती डॉ0 नीरजा टण्डन।

'शिक्षक दिवस समारोह', 2018 की अध्यक्षता प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा द्वारा की गई। प्रोफेसर शुक्ल ने कहा कि शिक्षक समाज का मार्ग प्रदर्शक होता है। शिक्षा का मूल रोजगार या धनोपार्जन न होकर मूल्य-निर्धारण होना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि 'भारतीय ज्ञान-परम्परा' का उद्भव व्यक्ति के भीतर व्याप्त 'शिक्षत्व'की चेतना में निहित है।

विशिष्ट शिक्षक सम्मान, 2018 से विभूषित प्रोफेसर नीरजा टण्डन ने अपने जीवन एवं अध्यापन के गहन अनुभवों का सभी के साथ साझा किया। उन्होंने कहा कि एक सच्चे शिक्षक का कर्तव्य है कि वह स्वयं के भीतर एक विद्यार्थी को जीवित रखे।

इस अवसर पर अध्यक्ष प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल ने प्रोफेसर नीरजा टण्डन को प्रशस्ति-पत्र, श्रीफल एवं शॉल देकर सम्मानित किया।

प्रत्येक वर्ष की भॉति इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों को पुस्तकें एवं कलम देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ0 राजेन्द्र कैड़ा ने सभी उपास्थित प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया।

हिन्दी दिवस

दिनांक 14 सितंबर 2018 को हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषाएँ विभाग द्वारा एक वैचारिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षत कर रहे प्रो0 एच पी शुक्ल ने काह कि हर सचेत समाज अपनी परम्परा को नये ढंग से खोजता है। हिन्दी भाषा की परम्परा इस देश की मूल संस्कृति से

जुड़ी हुई है। इसी कारण वह बाजार की शक्तियों से प्रभावित भले हो, किन्तु संचालित नहीं है। मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए कुमाऊं विश्वविद्यालय के हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो0 नीरजा टण्डन ने कहा कि हर हिन्दी की ताकत इसकी प्रादेशिकता में है। यह भाषा इसलिए समृद्व है क्यांकि इसकेपास लम्बी प्रादेशिक चेतना है। कॉमर्स एवं प्रबन्ध विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 आर0सी0 मिश्र ने कहा कि हिन्दी भाषा का लचीलापन एवं असाम्प्रदायिक चरित्र इसे विशिष्ट बनाता है।

संगोष्ठी का प्रस्तावना वक्तव्य देते हुए हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ0 शशां शुक्ल ने कहा कि हिन्दी भाषा की ताकत इसका जनतांत्रिकस्वरूप है। यह सत्ता की भाषा कभी नहीं रही। इसकी ताकत यह भी नहीं कि यह इस देश की संस्कृति, पूर्वभाषा- अपभ्रंशों के दामन को स्वीकार कर आगे बढ़ी है। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 राजेनद्र कैड़ा ने किया।

अकादमिक गतिविधियॉ

- Ministry of Education, Govt. of Thailand के निमंत्रण पर विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ़ कंप्यूटर साइंस एवं आईटी में सहायक प्राध्यापक डॉ जीतेंद्र पाण्डे द्वारा को Thai Cyber University Project, Thailand द्वारा दिनांक 20-21 सितम्बर ,2018 को बैंकाक में आयोजित एक्सपर्ट समिति मीटिंग में External Expert के रूप में आमंत्रित किया गया है। इस मीटिंग का एजेंडा MOOC's Policy and Strategies' था जिसके अंतर्गत डॉ पाण्डे द्वारा Indian MOOCs: Policies and Strategies पर व्याख्यान दिया।

डॉ जीतेंद्र पाण्डे एक्सपर्ट समिति की बैठक में प्रतिभाग करते हुए।

- दिनांक 04/09/2018 से 26/09/2018 तक डॉ0 मंजरी अग्रवाल, सहायक प्रध्यापक, प्रबन्ध द्वारा UGC, HRDC कुमांऊ विश्वविद्यालय, नैनीताल में Refresher Course in Economics Commerce and Management में प्रतिभाग किया गया।

- दिनांक 05/09/2018 से 27/09/2018 तक डॉ0 जटाशंकर आर0 तिवारी, सहायक प्रध्यापक, होटल प्रबन्ध द्वारा UGC, HRDC, लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित Refresher Course में प्रतिभाग किया गया।

- विश्वाविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा स्वीकृत जर्नल्स की सूची में जिनकी दो बार प्रविष्ठि की गई और जो मानकों को पूरा न करने वाले जर्नल्स के नाम स्वीकृत सूची में से हटाकर अद्यतन सूची आयोग को प्रेषित करने हतु कहा गया था। इस सम्बन्ध में विश्वविद्यालय के सम्बन्धित विभागों द्वारा जर्नल्स की अग्रसारित अद्यतन सूची को आयोग द्वारा वांछित प्रारूप में प्रेषित कर दिया गया है।

- डॉ0 मंजरी अग्रवाल का शोध पत्र "e-Readiness of State Open University towards online learning: A Study of BRAOU and UOU', IGNOU के जर्नल IJOL में प्रकाशित हुआ।

- डॉगगन सिंह ., सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य द्वारा "Social Security Schemes With Respect to Elderly Health Care: A Study of Himachal Pradesh", शीर्षक पर लिखित शोध पत्र Ageing and Health Care in India Issues and Challenges, (Edited Book), Indu Book Service, New Delhi 2018, pp. 59-74. (ISSN-978-93-86754-29-5) में प्रकाशित हुआ |

- माह सितम्बर, 2018 में उपरोक्त प्रमुख कार्यकलापों के अतिरिक्त, विश्वविद्यालय के नये सत्र 2018–19 के प्रवेश की तैयारियां, शिक्षकों द्वारा ईकाई लेखन, पाठ्यक्रमों में सुधार/संशोधन, अध्ययन सामग्री/पुस्तकों की संरचना/प्रकाशन आदि कार्य किये जा रहे है। विद्यार्थियों तक पुस्तकों एवं पाठ्य सामग्री की आपूर्ति, सूचना का अधिकार कानून के अन्तर्गत सूचनाओं की आपूर्ति, विद्यार्थियों को वांछित प्रमाणपत्रों का अविलम्ब निर्गमन आदि कार्य संपन्न किये गये।

  (विश्वविद्यालय की गतिविधियों से संबंधित मीडिया कवरेज संलग्न है- ग)